

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 18 August 2026

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन विपक्षी दलों से मिटाएंगे दूरियां, करेंगे ये खास पहल

Publisher

Published on 04 Oct 2025



भारत के उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन आगामी दिनों में विपक्षी दलों के नेताओं से संवाद स्थापित करने और राजनीतिक दूरी कम करने की दिशा में खास पहल करने वाले हैं। उनका यह कदम संसद और लोकतांत्रिक संस्थाओं में सहयोग और पारदर्शिता बढ़ाने के उद्देश्य से उठाया गया है।

राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, संसद में अक्सर बहस और मतभेदों के कारण निर्णय लेने की प्रक्रिया में रुकावटें आती हैं। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन का यह प्रयास उन मतभेदों को दूर करने और विभिन्न दलों के बीच विश्वास निर्माण करने के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उनकी योजना विपक्षी दलों के नेताओं से व्यक्तिगत और समूह स्तर पर संवाद स्थापित करने की है, ताकि वे साझा मुद्दों पर चर्चा कर सकें और लोकतांत्रिक सहयोग को मजबूत कर सकें।

इस पहल के तहत सीपी राधाकृष्णन विपक्षी दलों के नेताओं के साथ मीटिंग और बैठकें आयोजित करेंगे। इनमें आर्थिक सुधार, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण जैसे राष्ट्रीय मुद्दों पर विचार-विमर्श करने का अवसर होगा। उनका लक्ष्य केवल राजनीतिक मतभेद कम करना ही नहीं है, बल्कि संसद में निर्णय लेने की प्रक्रिया को अधिक सुचारु और प्रभावी बनाना भी है।

उपराष्ट्रपति का यह कदम राजनीतिक गलियारों में स्वागत किया जा रहा है। कई वरिष्ठ नेताओं का मानना है कि विपक्षी दलों से संवाद स्थापित करना लोकतंत्र की मजबूती के लिए जरूरी है। इसके माध्यम से निर्णयों में सहयोग बढ़ेगा और राजनीतिक विवादों की स्थिति में समाधान के रास्ते खुलेंगे।

विशेषज्ञों के अनुसार, सीपी राधाकृष्णन की पहल से संसद में बहस और चर्चा का स्तर भी सुधरेगा। इसके अतिरिक्त, यह प्रयास आम जनता में भी लोकतंत्र के प्रति विश्वास और उम्मीद जगाएगा। उपराष्ट्रपति का मानना है कि विपक्षी दलों के साथ सकारात्मक संवाद स्थापित करना लोकतंत्र की प्रक्रिया का एक अहम हिस्सा है।

इस पहल की तैयारी पहले से ही शुरू हो चुकी है। विपक्षी दलों के नेताओं को आमंत्रित करने और बैठकें आयोजित करने के लिए

संसद सचिवालय और उपराष्ट्रपति कार्यालय मिलकर काम कर रहे हैं। यह कदम यह संदेश देने के लिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है कि राजनीतिक मतभेद के बावजूद, देश की प्रगति और विकास के लिए सभी दल एक साथ काम कर सकते हैं।

राजनीतिक विश्लेषक इस पहल को भारतीय लोकतंत्र की परंपरा के अनुरूप बताते हुए कहते हैं कि यह कदम राजनीतिक जिम्मेदारी और सहयोग की भावना को दर्शाता है। विपक्षी दलों के नेताओं के साथ खुला संवाद स्थापित करना न केवल कानून निर्माण में सहमति बढ़ाएगा बल्कि राजनीतिक स्थिरता और निर्णयों की गुणवत्ता को भी मजबूत करेगा।

अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन की यह पहल कितने चरणों में होगी और इसमें कितने दल शामिल होंगे। हालांकि, प्रारंभिक दौर में प्रमुख विपक्षी दलों के शीर्ष नेताओं से मुलाकात की योजना बनाई गई है। यह कदम संसद में आने वाले सत्रों और राष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा की दिशा को सकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकता है।

इस पहल के माध्यम से उपराष्ट्रपति का संदेश साफ है कि राजनीतिक मतभेद किसी भी लोकतंत्र के लिए प्राकृतिक हैं, लेकिन उन्हें संवाद और सहयोग के जरिए सुलझाया जा सकता है। यह पहल भारतीय लोकतंत्र के लिए एक मिसाल साबित हो सकती है और भविष्य में संसद में निर्णय लेने की प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी और समन्वित बनाने में मदद कर सकती है।

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन की यह कोशिश दर्शाती है कि लोकतंत्र में सिर्फ बहुमत और वोटिंग की ताकत ही नहीं, बल्कि संवाद, सहयोग और समझौते की क्षमता भी समान रूप से महत्वपूर्ण है। उनके इस प्रयास से उम्मीद जताई जा रही है कि राजनीतिक दूरी घटेगी और सभी दलों के बीच विश्वास और सहमति की भावना मजबूत होगी।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsoever.